# मानव जीवन विकास समिति

## मासिक पत्रिका

**(दिसम्बर 2023)**

# जैविक खेती को मिल रहा बढ़ावा

मानव जीवन विकास समिति द्वारा कार्यक्षेत्र दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा व जबेरा ब्लॉक तथा कटनी जिले के बड़वारा व ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक की 60 पंचायत के 155 गांव मे 7750 किसानों के साथ गेहूं व सब्जी की खेती जैविक तरीके से कराया गया है। जैविक खेती कर रहे किसानों को कृषि व उद्यानिकी विभाग से जोड़कर सरकारी योजना के तहत गेहूं, सरसो और सब्जी का बीज 422 किसानों को दिलाया गया है जिससे किसान राहत भरी सांस का अनुभव कर रहे है।

जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों के साथ मिलकर जैविक खाद व दवाईयां बनायी गई। जिसमे मुख्यतः कम्पोस्ट खाद, वर्मी कम्पोस्ट खाद और अग्निअस्त्र, मठास्त्र, नीमास्त्र, दसपर्णी, जीवामृत, घन जीवामृत, ब्रम्ह्मास्त्र आदि प्रकार की दवाईयां किसान तैयार कर अपने अपने खेत मे उपयोग कर रहा है।

किसानों द्वारा मिली जानकारी के मुताविक बताया गया कि जैविक पद्धति से खेती करने पर खाद व दवाई पर होने वाला समस्त खर्च बच रहा है।

अग्निअस्त्र का छिड़काव

वर्मी कम्पोस्ट का छिड़काव

# जैव उत्पाद इकाई केन्द्र

मानव जीवन विकास समिति अपने कार्यक्षेत्र कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के गांव मे, दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा और जबेरा ब्लॉक के गांव मे अलग अलग जगह पर 7 जैव उत्पाद इकाई की स्थापना कर रखा है जो स्व–सहायता समूहों द्वारा संचालित है जहां पर 14 से 15 प्रकार की जैविक दवाईयां एवं खाद उपलब्ध है। जहां से किसानों को आसानी से जैविक खाद एवं दवाईया उपलब्ध हो जाता है। इसके साथ ही देशी बीजों के संरक्षण हेतु 36 ग्राम स्तरीय सामुदायिक बीज बैंक बनाये गये है जो ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित है। बीज बैंक मे 20 से 25 अलग अलग प्रकार के बीज उपलब्ध है।

जैव उत्पाद इकाई केन्द्र का किसानों मे अच्छा अनुभव रहा है। केन्द्र से जुड़ी स्व–सहायता की बहनों ने जैविक खाद व जैविक दवाई से सीजन की मांग के अनुसार 7 केन्द्र से लगभग 7 से 10 हजार रूपये तक की आय अर्जित करते है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसानों को जैविक खेती करने प्रशिक्षण के साथ साथ गांव मे ही जैविक खाद व दवाईयां उपलब्ध हो जाती है। प्रशिक्षण प्राप्त किसान स्वयं अपने घर पर ही जैविक खाद व दवाईयां तैयार कर रहा हैं और अपने आसपास के किसानों को भी जैविक खेती सलाह द रहा है। धीरे धीरे जैविक खेती करने वाले किसानों की संख्या मे बढ़त हो रही है।

# बीज बैंक

बीज बैंक : किसानों का मानना है कि बीज बैंक मे अनाज रखने से गांव मे जरूरतमंद किसानों को आसानी से प्राप्त हो जाता है उन्हे किसी दुकान और साहूकारो से बढ़े हुए दामो मे नही लेना पड़ता है। बीज बैंक का संरक्षण और हिसाब किताब भी समूह सदस्य के पास ही है।

दमोह जिले मे बीज बैंक के लिए किसानों से बीज एकत्र किए गए, जिसमें जबेरा में **2** क्विंटल **चावल के बीज एकत्र** किए गए, और तेंदूखेड़ा में **2** क्विंटल चावल के बीज, **5** किलोग्राम अरहर के बीज **और 10 किलोग्राम** मक्का के बीज एकत्र किए गए।

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक मे धान 2.30 क्विंटल, कोदो 1.20 क्विंटल और ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक मे धान 4.20 क्विंटल, कोदो 3.50 क्विंटल, कुटकी 0.42 क्विंटल इकट्ठा कर बीज बैंक मे संरक्षित किया है।

# गैर कीटनाशी प्रबंधन

मानव जीवन विकास समिति द्वारा गैर कीटनाशी प्रबंधन प्रणाली का किसानों को अधिक लाभ मिल सके इसके लिए समिति लगातार किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करती है। महीने मे लगभग 150 से 200 प्रशिक्षण आयोजित कर 4000 से 5000 किसानों को प्रशिक्षित कर जैविक व प्राकृतिक खेती की ओर ले जाया जाता है। समिति का मानना है कि प्रशिक्षण प्राप्त किसान जैविक खेती को बढ़ावा देंगे। जैविक खेती कर किसान अपने साथ दूसरे किसान जो इस प्रशिक्षण से नही जुड़ पाते है उन्हे भी जोड़ने का काम करते है। अधिकतर समूह की महिलाओं ने जैव कीटनाशक दवाई बनाने मे मदद कर रही है फसलो की सीजन के हिसाब से दवाई भी तैयार कर रही है जैसे मठास्त्र, अग्निअस्त्र, नीमास्त्र, घन जीवामृत, दसपर्णी और जीवामृत दवाई को तैयार कर फसलो मे उपोग कर रही है।

मठास्त्र

अग्निअस्त्र

नीमास्त्र

घन जीवामृत

दसपर्णी

जीवामृत

# किचन गार्डन

मानव जीवन विकास समिति द्वारा कार्यक्षेत्र के किसानों को किचन गार्डन तैयार करने सब्जी का बीज समिति द्वारा किसानों को निःशुल्क वितरण किया गया। ऐसे लगभग 500 किसान किचन गार्डन तैयार कर रहे है जहां पर प्रत्येक किसान 10 प्रकार के सब्जी का उत्पादन करेंगे। आशा है कि प्रत्येक किसान को अपने किचन गार्डन से सप्ताह मे 500 से 600 रूपये तक की बचत हो रही है।

मानव जीवन विकास समिति द्वारा लगातार किचन गार्डन को बढ़ावा देने किसानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। किसानों का मानना है कि किचन गार्डन से उत्पादित सब्जी का उपयोग करने से 2000 से 3000 रूपये मासिक बचत हो जाती है। इससे प्रभावित होकर किसान अब बड़ी मात्रा मे सब्जी उत्पादन करने का मन बना रहा है।

# जैविक खाद प्रबंधन

केंचुआ द्वारा जैव- विघटनशील व्यर्थ पदार्थों के भक्षण तथा उत्सर्जन से उत्कृष्ट कोटि की कम्पोस्ट (खाद) बनाने को वर्मीकम्पोस्टिंग कहते हैं। वर्मी कम्पोस्ट को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति तो बढ़ती ही है, साथ ही साथ फसलों की पैदावार व गुणवत्ता में भी बढ़ोत्तरी होती है। रासायनिक उर्वरकों के **अत्यधिक इस्तेमाल से मृदा पर होने वाले दुष्प्रभावों का वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से सुधार होता है। इस प्रकार वर्मी कम्पोस्ट भूमि की भौतिक, रासायनिक व जैविक दशा में सुधार कर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को टिकाऊ करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।**

किसानों का मानना है कि कम्पोस्ट और वर्मी कम्पोस्ट खाद के प्रयोग से हमारा रासायनिक खाद मे होना वाला अनावश्यक खर्च बच जाता है। यह भी निकलकर आया कि जैविक खाद के उपयोग से फसल उत्पादन मे बढ़ोत्तरी हुई है। इससे सिद्ध होता है कि खेती की लागत कम और उत्पादन ज्यादा होता है।

# ग्रामीण पर्यटन

मानव जीवन विकास समिति द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण पर्यटन विभाग के सहयोग से 5 जिले के 7 गांव मे 57 होमस्टे का निर्माण कराया जा रहा है। इससे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसका उद्धेश्य ग्रामीण क्षेत्र मे लोगों को अपने घर मे ही होमस्टे निर्माण कर ग्रामीण पर्यटक को सुविधा उपलब्ध कराना।

मानव जीवन विकास समिति पहले से ही फ्रांस की संस्था तमादी के साथ मिलकर ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने ग्रामीणों के घरो मे ही रूकवाना, लोकल गतिविधियों कसे रूबरू कराने का काम कर ही रही थी की मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल के साथ भी जुड़कर काम करने का मौका समिति को मिला जिसके अन्तर्गत विभाग द्वारा ग्रामीणों को अपने घर पर ही होमस्टे डेवलप करने सुविधा मिल गई।

उमरिया जिले के मरईकला गांव मे बन रहे होमस्टे जगदीश सिंह का जनवरी महीने मे पूरा होने की सम्भावना है।

# आंगनवाड़ी सुपोषण अभियान

मानव जीवन विकास समिति हमेशा से ही आंगनवाड़ी को लेकर सक्रीय रूप से काम कर रही है। आंगनवाड़ी केन्द्र को रंग रोदन कर चल चित्रों से सुसज्जित कर आकर्षण का केन्द्र बनाया है। कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक की 10 आंगनवाड़ी केन्द्र को गोद लेकर आदर्श आंगनवाड़ी बनाने का सपना पूरा कर रहे है। बच्चों को पठन पाठन व खेलकूद सामग्री भी केन्द्र मे उपलब्ध कराया है जिससे पढ़ने वाले बच्चो की उपस्थिति भी बढ़ रही है।

दिसम्बर महीने मे बड़वारा ब्लॉक के 33 ग्रम पंचायतो के 80 गांव के 115 आंगनवाड़ी केन्द्रो का समिति अपने कार्यकर्ता साथियों की मदद से सर्वे कराया जिसमे 7229 दर्ज बच्चों मे से 250 बच्चे कुपाषित और 84 बच्चे अति कुपोषित पाये गये। कटनी कलेक्टर महोदय की अपील के अनुसार माह मार्च तक सुपोषित करने के काम मे लगे है। समिति  अपने स्तर पर कुपोषित बच्चों को सुपोषित खाद्यान्न की व्यवस्था एवं परिवार की मोनिटरिंग कर सुपोषित बनाने मे सहयोग करेगी।

# विकसित भारत संकल्प यात्रा

## विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य

माननीय प्रधानमंत्री जी की संकल्पना है कि देश में 15 नवंबर 2023 से और 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा चलाई जा रही हैए जिसमें गांव-गांव यह यात्रा पहुंचकर लाभार्थियों को लाभान्वित कर रही है और अब तक योजनाओं से मिले लाभ के बारे में भी लाभार्थी मंच के माध्यम से अपनी जीवन में आए परिवर्तन के बारे में विस्तार पूर्वक बता रहे हैं और उन्हें सेलिब्रेट कर रहे हैं और आने वाले जो पात्र व्यक्ति हैं उन्हें भी लाभान्वित करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को गांव के अन्तिम छोर तक निवास करे रहे जन सामान्य को शत प्रतिशत आच्छादित करना विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में कटनी जिले के बड़वारा और ढीमरखेड़ा ब्लॉक के 44 गांव में तथा दमोह जिले के तेंदूखेड़ा और जबेरा ब्लॉक के 35 गांव में समिति कार्यकर्ता साथी जिम्मेदारी पूर्वक सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुँचाने में मदद कर रहे है। यात्रा के पूर्व गांव में लोगों को जागरूक करने का काम भी कर रहे है।

# क्षमतावर्द्धन कार्यशाला

मानव जीवन विकास समिति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर परियोजना साथियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया हैए जहां सीखा गया कि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों और हमारे आसपास पाए जाने वाले उत्पादों का उपयोग करके गांव की अर्थव्यवस्था को कैसे बेहतर बना सकते हैं। अपनी मूलभूत वस्तुओं का उत्पादन करकेए हम अपनी दैनिक बुनियादी जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करते हुए एक स्थायी आजीविका स्थापित कर सकते हैं। इससे गांव की अर्थव्यवस्था स्थानीय बनी रहेगी और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। यह अहसास कि गाँव में पर्याप्त मात्रा में धन है लेकिन हम इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में असमर्थ हैंए हमारी गाँव की अर्थव्यवस्था की कमजोर स्थिति को दर्शाता है। इसलिए हमारे स्थानीय संसाधनों और उत्पादन को हमारे गांव के प्राकृतिक संसाधनों के साथ संरेखित करने से हमारी स्थायी आजीविका में सुधार हो सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोपाल से प्रदीप घोषए विजय भारती एवं 29 एमजेवीएस स्टाफ ने भाग लिया।

# क्षमतावर्द्धन कार्यशाला

मानव जीवन विकास समिति बिजौरी मे म.प्र. जन अभियान परिषद जिला कटनी की सभी चिन्हित नवान्कुर संस्था सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक मे 38 प्रतिभागियो ने भाग लेकर जिला समन्वयक एवं ब्लॉक समन्वयक के साथ मिलकर अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट पर चर्चा किया और तिमाही प्रतिवेदन जमा कर समीक्षा किया।

मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत वंदन करते हुए संस्था की लीगल रजिस्ट्रेशन व दस्तावेजीकरण पर प्रकाश डाले। संस्था का पंजीयन सोसायटी एक्ट के तहत हो जाने के बाद एन.जी.ओ. दर्पण, 80 जी, 12 ए रजिस्ट्रेशन के साथ साथ धारा 27 व धारा 28 की रिपोर्ट जमा करने समय अवधि पर लोगों को विस्तृत जानकारी से रूबरू करार्या

मानव जीवन विकास समिति व एकता परिषद के संस्थापक डॉ. राजागोपाल पी.व्ही. (राजा जी) को भी म.प्र. जन अभियान परिषद् टीम सहज आमंत्रित कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। राजा जी ने संदेश दिये की जन अभियान परिषद लोगों बनाया गया एक जनाभियान है जो यह लोगों के साथ मिलकर एक अभियान के तौर पर चलाया जा रहा है। गांव गांव और घर घर तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करने के अभियान को सफल बनाया जा रहा है। इस कार्य मे लगे पूरी टीम को बधाई।

# एलाइव (एफपीओ) एसएचजी ब्रांड

जिला विकास प्रबंधक
District Development Manager
District Development Office: Katni & Damoh (Tagged)

NABARD

संदर्भ सं. रावै-कटनी /141 / ओएफडीडी/ उमंग-2023 /2023-24 दिनांक 18 दिसम्बर 2023

सेवा में,
अध्यक्ष
अलाइव (ALIVE)
C/O मानव जीवन विकास समिति
मझगवा, बड़वारा
जिला- कटनी

महोदय/ महोदया,

**विषय: उमंग- 2023 (UMANG- 2023) में प्रतिभागिता (भोपाल हाट में दिनांक 22 दिसम्बर 2023 से 31 दिसम्बर 2023 के दौरान आयोजन)**

कृपया उपरोक्त विषय पर हमारे मध्य हुए विभिन्न सम्प्रेषण/ चर्चाओं का संदर्भ लें। आपके द्वारा संप्रेषित नामांकन (UMANAG- 2023 में प्रतिभाग) को नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा स्वीकृति मिली है। अतैव, आपके द्वारा नामित **श्री गुमान सिंह गौड़ (आधार सं. 976989259317)** एवं **श्री ओम प्रकाश यादव (आधार सं. 290280664050)** को आपके प्रतिनिधि के रूप में प्रतिभाग हेतु अधिकृत किया गया है।

2. आप से अनुरोध है कि अधिकृत प्रतिनिधियों का यात्रा कार्यक्रम बनाते हुए हमें सूचित करें। UMANG- 2023 से संबन्धित अन्य जानकारी आपको शीघ्र ही संप्रेषित की जाएगी।

भवदीय,

(विकास कुमार जैन)
जिला विकास प्रबन्धक

पराांकन सं. रावै-कटनी / 142/ ओएफडीडी/ उमंग-2023 /2023-24 तद दिनांक

1. मुख्य महा प्रबन्धक, नाबार्ड, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल की ओर सादर सूचनार्थ

(विकास कुमार जैन)
जिला विकास प्रबन्धक

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
National Bank for Agriculture and Rural Development
जिला कार्यालय का नाम: कटनी
Name of District Office: Katni
Duplex House No.213 Dwarka City, Bargawa, Katni, PIN 483501
www.nabard.org
Taking Rural India >> Forward






मानव जीवन विकास समिति द्वारा एलाईव एसएचजी ब्रांड को बढ़ावा देने लगातार प्रयास किया जा रहा है। ब्लॉक, जिले व प्रदेश स्तरीय प्रदर्शनी मे भाग लेकर समूह द्वारा उत्पादित सामग्री को प्रदर्शनी के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराने के साथ साथ समूह की आमदनी भी बढ़ रही है। दिसम्बर महीने मे राष्ट्रीय स्तर पर भोपाल मे आयोजित कार्यक्रम मे हिस्सेदारी कर समूह द्वारा उत्पादित सामग्री मिलेट मे कोदो, कुटकी, ज्वार, रागी, धनिया, मिर्ची, हल्दी आदि को बढ़ावा मिल रहा है। भोपाल प्रदर्शनी के दौरान लगभग 15000 की बिक्री कर जैव उत्पादन इकाई केन्द्र के माध्यम से अपनी आमदनी को इजाफा दिया है।

# धन्यवाद!

## मानव जीवन विकास समिति

पता : ग्राम बिजौरी, पोस्ट मझगवां (बरही रोड), जिला कटनी म.प्र. पिन कोडः 483501
मो.नं. 9425157561
Email : mjvskatni@gmail.com
website : www.mjvs.org ,
Blogger - https://mjvskatni.blogspot.com/
Twitter - https://twitter.com/mjvs_katni_mp
Facebook - https://www.facebook.com/ngomjvskatni/
Instagram - https://www.instagram.com/manavjeevanvikassamiti/
Youtube- https://www.youtube.com/channel/UCiEnoE5h_oePCKrsea7rLWQ
Linkedin – https://www.linkedin.com/in/manav-jeevan-vikas-samiti-0b7559266